अभ्यास प्रश्न-पत्र 4

समय : 3 घंटे] [पूर्णांक : 90

खंड-क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–**

हिमालय से कन्याकुमारी तक फैला हुआ हमारा देश आकार और आत्मा दोनों दृष्टियों से महान और सुंदर है। उसका बाह्य सौंदर्य विविधता की सामंजस्यपूर्ण स्थिति है और आत्मा का सौंदर्य विविधता में छिपी हुई एकता ही अनुभूति है। चाहे कभी न गलने वाली हिम की प्राचीर हो, चाहे कभी न जमने वाला अतल समुद्र हो, चाहे किरणों की रेखाओं से खचित हरीतिमा हो, चाहे एक रस शून्यता ओढ़े मरू हो, चाहे साँवले भरे मेघ हो, चाहे लपटों में साँस लेता बवण्डर हो, सब अपनी भिन्नता में भी एक ही देवता के विग्रह पूर्णता देते हैं। जैसे मूर्ति के एक अंग का टूट जाना संपूर्ण देव-विग्रह को खंडित कर देता है, वैसे ही हमारे देश की अखंडता के लिए विविधता की स्थिति है। हर देश अपनी सीमा में विकास पाने वाले जीवन के साथ एक भौतिक इकाई है, जिससे वह समस्त विश्व की भौतिक इकाई के साथ जुड़ा हुआ है। विकास की दृष्टि से उसकी दूसरी स्थिति आत्म-रक्षात्मक तथा व्यवस्थापरक राजनैतिक सत्ता में है। तीसरी सबसे गहरी तथा व्यापक स्थिति उसकी सांस्कृतिक गतिशीलता में है, जिससे वह अपने विशेष व्यक्तित्व की रक्षा और विकास करता हुआ विश्वजीवन के विकास में योग देता है। एक विशेष भूखंड में रहने वाले मानव का प्रथम परिचय, संपर्क और संघर्ष अपने वातावरण से ही होता है और उससे प्राप्त जय-पराजय, समन्वय आदि से उसका कर्म-जगत ही संचालित नहीं होता, प्रत्युत अंतर्जगत और मानसिक संस्कार भी प्रभावित होते हैं।

(क) कौन-कौन सी दृष्टि से लेखक ने अपने देश को महान और सुंदर कहा है?

(*i*) आकार और आत्मा (*ii*) विस्तार और आत्मा
(*iii*) विविधता और एकता (*iv*) आकार और प्रकार

(ख) हमारे देश के आंतरिक और बाह्य सौंदर्य की क्या विशेषताएँ हैं?

(*i*) विविधता और विस्तार (*ii*) विविधता और एकता
(*iii*) विस्तार और एकता (*iv*) विभिन्नता और विविधता

(ग) हमारे देश की अखंडता के लिए विविधता की स्थिति कैसी है?

(*i*) देवता के विग्रह की (*ii*) एक रस शून्यता की
(*iii*) विविधता में एकता की (*iv*) न जमने वाले समुद्र की

(घ) सांस्कृतिक गतिशीलता से मनुष्य को क्या मिलता है?

(*i*) व्यक्तित्व की रक्षा और विकास (*ii*) सामाजिक सुरक्षा और विकास
(*iii*) राजनैतिक सुरक्षा और विकास (*iv*) आर्थिक सुरक्षा और विकास

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए–

(*i*) भारत का आंतरिक सौंदर्य (*ii*) भारत का बाह्य सौंदर्य (*iii*) भारत की महान संस्कृति (*iv*) भारत और विश्व

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–**

हर वर्ष विश्व में करोड़ों लोग भूखों मर रहे हैं। उन्हें आवास के अभाव में खुले आसमान के नीचे चिलचिलाती धूप और सर्दी को झेलना पड़ता है। भारत में भी ये समस्याएँ हैं। यहाँ की जनसंख्या के लिए जीवन की न्यूनतम आवश्यकताएँ भी उपलब्ध नहीं हैं। इसका सर्वप्रमुख कारण निरंतर अबाध गति से बढ़ती हुई जनसंख्या है।

जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सरकारी स्तर पर जो कार्यक्रम अपनाए गए हैं, उन्हें जनता ने अपना कार्यक्रम नहीं माना है। लोगों ने समाज कल्याण विभाग को अनुदान देने वाला विभाग मान लिया है। सरकारी कर्मचारियों ने भी इस कार्यक्रम को नौकरी मानकर काम किया है। ज़रूरत यह है कि परिवार कल्याण के कार्य को सेवा कार्य मानकर किया जाए। साथ ही, इस बात पर विचार किया जाए कि जनसंख्या की वृद्धि के कौन से प्रमुख कारण हैं और उन अवरोधों को दूर किया जाए। ऐसा करने पर सभी जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रम सफल होंगे। जनसंख्या की वृद्धि पर नियंत्रण के लिए अपनाए गए कार्यक्रमों की असफलता के प्रमुख कारण हैं– शिक्षा का अभाव, धार्मिक परंपराएँ, सामाजिक अंधविश्वास, बालविवाह और बहु-विवाह। इन कारणों से उत्पन्न बाधाओं को स्पष्ट रूप में समझकर उनका निराकरण करने पर ही जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सकता है।

(क) जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के सरकारी स्तर पर होने वाले कार्यक्रम सफल क्यों नहीं होते?

(*i*) यह सरकारी कार्यक्रम है।
(*ii*) यह अनुदान देने वाला विभाग है।
(*iii*) इसमें बहुत-सी कठिनाइयाँ हैं।
(*iv*) जनता इन्हें अपना कार्यक्रम नहीं मानती।

(ख) जनसंख्या वृद्धि पर किस प्रकार नियंत्रण पाया जा सकता है?

(*i*) सबको रोजगार उपलब्ध करके
(*ii*) कारण समझकर निवारण करके
(*iii*) बहु-विवाह रोककर
(*iv*) शिक्षा देकर

(ग) विश्व में करोड़ों लोग भूख से मर रहे हैं। इसका क्या कारण है?

(*i*) उनके रोजगार का प्रबंध नहीं है।
(*ii*) तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या
(*iii*) उन्हें खुले आसमान में रहना पड़ता है।
(*iv*) उन्हें अनाज प्राप्त नहीं होता।

(घ) जनसंख्या नियंत्रण में जनता किस प्रकार सहायक हो सकती है?

(*i*) स्वरोजगार चलाकर
(*ii*) परिवार कल्याण को सेवा कार्य समझकर
(*iii*) अंध विश्वासों को दूर करके
(*iv*) परिवार कल्याण को नौकरी समझकर

(ङ) इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक हो सकता है–

(*i*) जनसंख्या रोकथाम
(*ii*) बढ़ती जनसंख्या
(*iii*) जनसंख्या वृद्धि : कारण एवं निवारण
(*iv*) जनसंख्या वृद्धि

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–

जब बीत गए वे दिन मेरे
तो बीत जाएँगे ये दिन भी,
किस घाट बहा लाई मुझको
मेरे मन की अभिलाषा।
नयनों में सिंधु लिए अब तक
यह मृगतृष्णा का मृग प्यासा ॥
जिस ओर कदम मैं रखता हूँ
दुर्दिन की बस्ती बसती है।
पर इस परिवर्तन के जग में
सुख-दुख की भी कुछ हस्ती है?
जब-जब मन हो उठता उदास
कोई यह कहता रहता है,
जब हास अमर हो ही न सका,
तो टिक न सकेगा क्रंदन भी।

तन शिथिल, मलीन वसन मेरे,
पथ के साथी सब तितर-बितर।
अब मेरा मन बहलाने की
आती स्मृति जब-जब सिहर-सिहर ॥
तब से अब तक पथ पर कितने
पतझर भी मिले वसंत मिले।
पर मैं उस पथ का पंथी हूँ
जिसका न आदि, न अंत मिले ॥
जन-जन जीवन होता निराश
कोई यह कहता रहता है।
जब आज असीम बना बंदी
तो टूट जाएँगे बंधन भी।
निश्चित है मधुर मिलन के क्षण
निश्चित वियोग के व्यथित चरण।

(क) **'किस घाट बहा लाई मुझको' पंक्ति का भावार्थ है–**

(*i*) समय परिवर्तनशील है, सदा एक-सा नहीं रहता। (*ii*) जीवन घाट पर आकर थम गया।

(*iii*) जीवन में कोई खुशी नहीं रह गई है। (*iv*) जीवन में कोई दुख नहीं रह गया है।

(ख) **'मृग प्यासा' किसके लिए आया है?**

(*i*) कवि के लिए (*ii*) पाठक के लिए (*iii*) जनता के लिए (*iv*) नेताओं के लिए

(ग) **'पतझर' तथा 'वसंत' किसके प्रतीक हैं?**

(*i*) विनाश और खुशहाली (*ii*) हरियाली और खुशहाली (*iii*) विकास और खुशहाली (*iv*) ऋतुओं के

(घ) **संसार में निश्चित क्या है?**

(*i*) कुछ भी नहीं (*ii*) जीवन और मरण (*iii*) मनुष्य का यश (*iv*) मनुष्य की निंदा

(ङ) **काव्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–**

(*i*) जीवन और सत्य (*ii*) जीवन और मृत्यु (*iii*) जीवन और जोश (*iv*) जीवन और समय

4. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प का चयन कीजिए–**

हर गली
हर मोड़ पर,
निज फन उठाए
जी रहे हैं सर्प ज़हरीले
डस रहे हैं राहगीरों को
और खुद भी पड़ रहे नीले!
किंतु उनको देख हम पाते नहीं
ढूँढ़कर आगे उन्हें लाते नहीं
इस समस्या पर न कोई
गौर करता है
बोलते कुछ और हैं तो
और करता है।
इसलिए अब कर्णधारों से हमारी माँग है
चाहिए हम तो चिकित्सक
दो तरह के
एक वे जो
सर्पगण का ज़हर फूँकें
और उनको सभ्य कर दें
दूसरे
जो राहगीरों को बचा दे मौत से
नीले न पड़ने दें उन्हें।
आदमी तो सभ्य होते हैं
सर्प भी यदि सभ्य बन जाएँ
तो धरा पर देश हर
खुशहाल हो जाए
हाँ, खुशहाल हो जाए।

(क) **ज़हरीले सर्पों से कवि का क्या अभिप्राय है?**

(*i*) शोषण करने वाले (*ii*) अपराध करने वाले (*iii*) चोरी करने वाले (*iv*) हत्या करने वाले

(ख) **ये ज़हरीले सर्प दिन-प्रतिदिन गंभीर समस्या क्यों बनते जा रहे हैं?**

(*i*) समस्या है ही नहीं (*ii*) समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा

(*iii*) सपेरे ज़िम्मेदार हैं (*iv*) अधिक संख्या होने पर

(ग) **कवि देश के कर्णधारों से क्या माँग कर रहा है?**

(*i*) साँपों को कुचल दें (*ii*) शोषण से मुक्ति (*iii*) सब साँपों को पकड़वा दें (*iv*) सपेरों पर प्रतिबंध

(घ) **'सर्प भी यदि सभ्य बन जाएँ', तो क्या होगा?**

(*i*) साँप डसना न छोड़ेगा (*ii*) सारे साँप जंगलों में चले जाएँगे

(*iii*) समाज को शोषण से मुक्ति मिल जाएगी (*iv*) गाँव-गाँव में चिकित्सक भेजे जाएँगे

(ङ) **'आदमी तो सभ्य होते हैं' पंक्ति से कवि का क्या आशय है?**

(*i*) आदमी मेहनत और ईमानदारी में विश्वास करते हैं। (*ii*) सभी शिक्षित हो गए हैं।

(*iii*) सभी लोग सत्यवादी हो गए हैं। (*iv*) सभी धरती पर रहने लग गए हैं।

खंड-ख

5. **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–**

(क) यह ऐसी बालसुलभ हँसी है, जिसमें कई यादें बंद हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें संस्कृत आदमियों से मिला है। (मिश्रित वाक्य में बदलिए)

(ग) पिताजी यह सब सुनाते रहे और मैं अवाक् थी। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

6. **निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए–**

(क) चलो अब सोते हैं। (भाववाच्य में)

(ख) आई०ए०एस० की नियुक्तियाँ संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती हैं। (कर्तृवाच्य में)

(ग) तानसेन को संगीत-सम्राट कहते हैं। (कर्मवाच्य में)

(घ) कवि द्वारा सुंदर कविताओं की रचना की गई। (कर्तृवाच्य में)

7. **निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए–**

ऐसी दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

8. (क) **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त रस का नाम बताइए–**

(*i*) लंका की सेना तो कपि के गर्जन रव से काँप गई।
हनुमान के भीषण दर्शन के बिना ही भाँप गई।

(*ii*) हे खग मृग हे मधुकर श्रेणी। तुम देखी सीता मृगनयनी॥

(*iii*) चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे!
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे!

(ख) **'वीभत्स रस' का स्थायी भाव क्या है?**

खंड-ग

9. **निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ाने ही का परिणाम है तो पुरुषों का किया हुआ अनर्थ भी उनकी विद्या और शिक्षा ही का परिणाम समझना चाहिए। बम के गोले फेंकना, नरहत्या करना, डाके डालना, चोरियाँ करना, घूस लेना—ये सब यदि पढ़ने-लिखने ही का परिणाम हो तो सारे कॉलिज, स्कूल और पाठशालाएँ बंद हो जानी चाहिए। परंतु विक्षिप्तों, बातव्यथितों और ग्रहग्रस्तों के सिवा ऐसी दलीलें पेश करने वाले बहुत ही कम मिलेंगे। शकुंतला ने दुष्यंत को कटु वाक्य कहकर कौन-सी अस्वाभाविकता दिखाई?

(क) **द्विवेदी जी ने सभी स्कूल-कॉलेज़ बंद करने की बात क्यों कही है?**

(ख) **स्त्री-शिक्षा का विरोध करने वालों को क्या कहा गया है?**

(ग) **शकुंतला के किन वचनों में द्विवेदी जी को स्वाभाविकता नज़र आती है?**

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं– 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ।' उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(क) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

(ख) बिस्मिल्ला खाँ ईश्वर से क्या माँग रहे हैं? इससे उनकी किन चारित्रिक विशेषताओं का बोध होता है?

(ग) बिस्मिल्ला खाँ को ईश्वर पर किस बात को लेकर यकीन है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

(क) माँ में इतनी विशेषताएँ होते हुए भी लेखिका अपनी माँ को अपना आदर्श क्यों नहीं बना सकी? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर बताइए कि शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

(ग) लेखक ने अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की एक परिभाषा दी है। आप सभ्यता और संस्कृति के बारे में क्या सोचते हैं? लिखिए।

(घ) लेखिका के पिता भंडारी जी की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी और उनके सिद्धांत क्या थे? 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर बताइए।

(ङ) परित्यक्ता सीता ने अपने संदेश में रामचंद्र के विषय में क्या-क्या कहा? 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर संक्षेप में उत्तर दीजिए।

11. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो
लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

(क) माँ के दुख को प्रामाणिक क्यों कहा गया है?

(ख) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी?

(ग) धुँधले प्रकाश की पाठिका होने से क्या आशय है?

अथवा

देखि कुठारु सरासन बाना । मैं कछु कहा सहित अभिमाना ॥
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी । जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ॥
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई । हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ॥
बधें पापु अपकीरति हारें । मारतहू पा परिअ तुम्हारें ॥
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ॥

(क) लक्ष्मण ने परशुराम से अभिमानपूर्वक बात क्यों की?

(ख) लक्ष्मण परशुराम के क्रोधपूर्ण वचनों को सुनकर भी अपना क्रोध क्यों रोके हुए थे?

(ग) लक्ष्मण ने अपने कुल की किस परंपरा का बोध करवाया?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

(क) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?

(ख) माँ द्वारा पुत्री को ऐसी सीख देने का उद्देश्य क्या है? 'कन्यादान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) सफलता के शिखर पर पहुँचने के दौरान यदि व्यक्ति लड़खड़ाते हैं, तब उसे सहयोगी किस तरह सँभालते हैं? 'संगतकार' कविता के आधार पर बताइए।

(घ) 'छाया मत छूना' के कवि के अनुसार यश, वैभव, मान और धन व्यर्थ क्यों हैं?

(ङ) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर विश्वामित्र जी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

*13. **"कितना कम लेकर ये समाज को कितना अधिक वापस लौटा देती हैं" 'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ की लेखिका का यह कथन हमें क्या प्रेरणा देता है? यदि आपको यह अवसर मिले, तो आप देश के लिए क्या करना चाहेंगे?**

खंड-घ

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए–**

(क) **धन अर्जन की अंधी दौड़ और उपेक्षित स्वास्थ्य–**

संकेत बिंदु– • पैसा कमाना एक फ़ैशन • पैसे के लिए अनैतिक कार्य • स्वास्थ्य को हानि • उपसंहार।

(ख) **सड़क दुर्घटना का दृश्य–**

संकेत बिंदु– • दुर्घटनाओं का मुख्य कारण • सड़क दुर्घटना का वर्णन • ड्राइवर की लापरवाही।

(ग) **वृक्षारोपण : एक आवश्यकता–**

संकेत बिंदु– • एक महत्ती आवश्यकता • वन से ईंधन, छायादार वृक्ष और औषधियाँ • प्रदूषण के नाशक • उपसंहार।

15. **नीचे दिए गए समाचार को पढ़िए। इसे पढ़कर जो भी विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में लिखिए–**

हरदीत : यूनिवर्सिटी के टॉपर

हरदीत सिंह मेलबर्न स्थित विक्टोरिया यूनिवर्सिटी के टॉपर बने। उन्हें मेकेनिकल इंजीनियरिंग एंड साइंस में टॉप करने पर स्टूडेंट ऑफ ईयर का अवार्ड दिया गया। हरदीत हरियाणा के हिसार निवासी हैं।

16. **निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग एक-तिहाई शब्दों में लिखते हुए उचित शीर्षक भी लिखिए–**

विद्यार्थी शब्द 'विद्या' और 'अर्थी' के योग से बना है, जिसका अर्थ है–विद्या अर्थात् ज्ञान का इच्छुक। एक बालक जब तक नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त करता है, उस अवधि को विद्यार्थी जीवन कहा जाता है। यह जीवन का वह काल होता है, जिसमें विकसित गुणों और आदतों का जीवन पर भरपूर प्रभाव पड़ता है। इस काल में विद्यार्थी द्वारा सीखी बातें जीवन भर साथ रहती हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि विद्यार्थी में अच्छे मानवीय मूल्यों और अच्छी शिक्षा का विकास हो। इस समय घर-परिवार और विद्यालय आदि में उसके लिए अनुशासन की पर्याप्त आवश्यकता होती है। इससे उसके व्यक्तित्व में निखार आता है। इस काल में विद्यार्थी को कुसंगति, फ़ैशन आदि से दूरी बनाकर रखना चाहिए। उसे अपने चारित्रिक विकास के लिए अच्छे लोगों की संगति, साधारण रहन-सहन, प्रेरणाप्रद पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए, जिससे उसमें सदाचार उत्पन्न हो सके। विद्यार्थी को मृदुभाषिता, सत्यवादिता, सहभागिता और ईमानदारी जैसे गुणों को अपनाना चाहिए, जिससे वह समाज तथा राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे सके।

*मूल्याधारित प्रश्न